1 सतरंगी धूप

श्रुतलेखन शब्द :-

उजियारा	सतरंगी	शरद
आँगन	सोनजूही	जीवन
चंचल	बसंत	प्यारी

(10) धूप

शब्दार्थ एवं टिप्पणियाँ (विशिष्ट प्रयोग)

उजियारा — उजाला

पसरे — फैले

अतरंगी — सात रंगों वाली

बेदर्दी — निर्दयी

शरद ऋतु — सरदियाँ आरंभ होने का समय

बरखा — बारिश

दमकाना — चमकाना

धरती — पृथ्वी

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए**

उ. छात्र स्वयं करें।

2. **बताइए**

क. रात ढलने पर क्या होता है?

उ. रात ढलने पर उजियाला फैलता है और धूप आँगन में पसर जाती है।

ख. मोर के पंखों पर पड़नेवाली धूप कैसी हो जाती है?

उ. मोर के पंखों पर पड़नेवाली धूप सतरंगी बन जाती है।

ग. किस मौसम में धूप हमें भीतर भगा देती है?

उ. गरमी के मौसम में धूप हमें भीतर भगा देती है।

घ. किस ऋतु में धूप गुनगुनाती हुई-सी लगती है?

उ. वसंत ऋतु में धूप गुनगुनाती हुई-सी लगती है।

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए—**

क. धूप कहाँ पर मुसकाती है?
- ✓ झरनों पर

ख. धूप कब सहम जाती है?
- ✓ सरदी में

2. **उचित शब्द से पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

क. रात ढले ···उजियारा··· फैले
झट ···आँगन··· में पसरे धूप,
पंख पसारे जब ···पंछी··· तब
उन पंखों पर भी चमके ···धूप···।

ख. ···गरमी··· में आँखें दिखलाए
भीतर हमें ···भगाए··· धूप,
···सरदी···-बेदर्दी जब आए
···सहमी-सहमी··· आए धूप।

3. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. धूप कब आँखें दिखलाती है?

उ. धूप गरमी के मौसम में आँखें दिखलाती है।

ख. धूप कहाँ पर ठुमकते हुए उतरती है?

उ. धूप सागर की चंचल लहरों पर ठुमकते हुए उतरती है।

ग. सरसों के पीले फूलों पर धूप कैसी लगती है?

उ. सरसों के पीले फूलों पर धूप सोनजूही-सी लगती है।

4. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. 'धरती के अँगड़ाई लेने' का अर्थ क्या है?

उ. 'धरती के अँगड़ाई लेने' का अर्थ है कि धरती पर धूप के फैलने के साथ ही सभी प्राणी जग जाते हैं और नई ऊर्जा के साथ अपने-अपने कामों में जुट जाते हैं।

ख. 'गरमी में आँखें दिखलाए' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उ. 'गरमी में आँखें दिखलाए' से कवि का तात्पर्य है कि धूप गरमियों में बहुत तीखी और चुभने वाली होती है, जिससे हम उसका सामना करने में असहज महसूस करते हैं।

ग. धूप कब-कब सतरंगी हो जाती है?

उ. धूप मोर के पंखों पर और बरसात के मौसम में सतरंगी हो जाती है। धूप मोर के रंग बिरंगे पंखों पर जब पड़ती है तो वह सतरंगी दिखाई देती है। साथ ही जब बरसात के मौसम में बारिश की बूँदों पर धूप पड़ती है तो वह सतरंगी (इंद्रधनुष) के रूप में दिखती है ।

घ. धरती पर जीवन देने कौन ...

उ. धरती पर जीवन देने के लिए धूप आती है। यह धरती को गरमी, ऊर्जा और प्रकाश प्रदान करती है, जिससे पौधे, जीव-जंतु और मनुष्य सभी जीवित रहते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग/पुल्लिंग शब्द अलग करके लिखिए—**

रात, धूप, पंख, पर्वत, चोटी, आँखें, सागर, श्रमिक

स्त्रीलिंग	— रात	धूप	चोटी	आँखें
पुल्लिंग	— पंख	पर्वत	सागर	श्रमिक

2. **नीचे दिए गए चित्रों के लिए द्विगु सामासिक शब्द लिखिए—**

तिकोण

चौराहा

तिरंगा

षट्कोण

3. **वर्ण-विच्छेद कीजिए—**

मुसकाए — म् + उ + स् + अ + क् + आ + ए

सतरंगी — स् + अ + त् + अ + र + अ + ङ् + ग् + ई

सोनजूही — स् + ओ + न् + अ + ज् + ऊ + ह् + ई

4. **इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उजियारा — प्रकाश या रोशनी

• वाक्य : सुबह होते ही आँगन में उजियारा फैल जाता है।

पसारे — फैलाना या बिखेरना

• वाक्य : सुबह होते ही पंछी पंख पसारकर आसमान में उड़ जाते हैं।

श्रमिक — मेहनत करने वाला व्यक्ति

• वाक्य : श्रमिकों का काम समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।